NCERT Class 9 Economics

Chapter 1: Story of Village Palampur

Theme is Production

- Resources combine to produce goods & services
- Palampur – Well Connected – to Raiganj & Shahpur
- 450 families – 80 (upper caste – large house - Pucca), 1/3rd (SC – small house in corner – mud & straw)
- Has electricity connection
- 2 Schools
- Hospital – 1 PHC (Govt) & 1 Private

Scanned with CamScanner

Production - Fundamentals

- Production – Farming or Non-Farming
- Aim – To get goods & services
- 4 Factors of Production
  - Land
  - Labor – Manual & educated
  - Physical Capital
    - Fixed – Use for many years – Tools, Machines, Buildings
    - Working – Raw Material & Money – Used up in process
  - Human Capital – Knowledge & Enterprise

Land

- Fixed & Scarce – 75% in Farming – No Expansion; Wasteland to Cultivable Land
- 1 hectare = 100 sq. meter, also in bigha, guintha
- Grow More – Rainy Season – Jowar & bajra – Kharif; Winter –rabi – Wheat – Sowed; Oct-Dec - Potato (3 Crops due to Irrigation – Persian Wheel, Tubewells) – MULTIPLE CROPPING – HYV seeds, fertilizers & pesticides; traditional farming – cow dung as manure
- Land – Sustain: Deplete water table; chemical fertilizers harm fauna; highest consumption of chemical fertilizer in Punjab
- Land Distribution: Small scattered plots

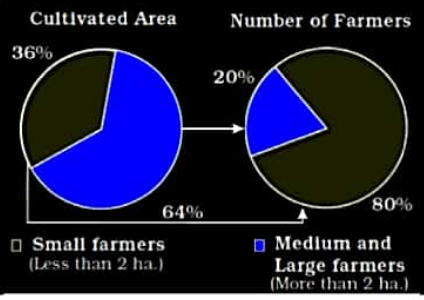

Scanned with CamScanner

Labour

- Abundant
- Hard Work & Manual Input
- Tractors for Ploughing
- Harvesters for Harvesting
- Threshers for Threshing

- Wages – Cash/Kind/Meals
- Problem with landless farm labourer – Employment (Daily/Seasonal)

Physical Capital

- Small farmers - Borrow money from large farmers/ moneylenders/ traders – High rate of interest – 80% of total farmers
- Medium & Large farmers – Have savings

- Sell surplus produce – Either repay loan or add saving (buy equipment's for farm/cattle/non-farm activity - ↑ fixed capital)

Scanned with CamScanner

Non-Farm Activity – Only 24% in Villages

- Dairy – feed buffalo with grass, jowar or bajra
- Small Scale manufacturing – Simple equipments – at home, family labour, rarely hire labourers
- Trade – Shopkeepers
- Transport Services

kv no.4 DLW varanasi

Scanned with CamScanner

अध्याय 1: गांव पलामपुर की कहानी
विषय वस्तु उत्पादन है

- संसाधन माल और सेवाओं का उत्पादन करने के लिए जुड जाते है|
- पालमपुर – अच्छी तरह से जुड़ा हुआ – रायगंज और शाहपुर के लिए
- 450 परिवार – 80 (ऊपरी जाति - बड़ा घर - पक्का), 1/3rd (SC – कोने में छोटा घर – मिट्टी और भूसे)
- बिजली का सम्पर्क है
- 2 स्कूल
- अस्पताल – 1 PHC (सरकारी) और 1 गुप्त

उत्पादन – बुनियादी बाते

- उत्पादन – खेती या गैर-खेती
- लक्ष्य – सामान और सेवाएं प्राप्त करना
- उत्पादन के 4 साधन
- जमीन
- श्रम – हाथ से किया गया और शिक्षित
- भौतिक पूंजी
    - निश्चित – कई सालों के लिए प्रयोग करें – उपकरण, मशीनी औजार, भवन
    - कार्यकारी – कच्चा माल और धन – प्रक्रिया में उपयोग किया हुआ
- मानव पूंजी – ज्ञान और उद्योग

जमीन

- <u>स्थिर और दुर्लभ</u> – खेती में 75% – कोई विस्तार नहीं; खेती योग्य भूमि के लिए बंजर भूमि
- 1 हेक्टेयर = 100 वर्ग मीटर, बिघा में भी, गुंठा

Scanned with CamScanner

[redacted]

- और बढ़ा – बारिश का मौसम – ज्वार और बाजरा – खरीफ; सर्दी – रबी- गेहूँ – बोना चाहिए अक्टूबर-दिसंबर – आलू (सिंचाई के कारण 3 फसलें – फ़ारसी चक्र, नलकूप)– बहु फसली – HYV बीज, उर्वरक और कीटनाशकों; पारंपरिक खेती – खाद के रूप में गायका गोबर
- जमीन – संभालना: खराब पनिका जल स्तर; रासायनिक उर्वरक जीवों को नुकसान पहुंचाते हैं; पंजाब में रासायनिक उर्वरक का ज्यादा उपयोग होता है|
- भूमि विस्तार: छोटे बिखरे हुए विस्तार

श्रम

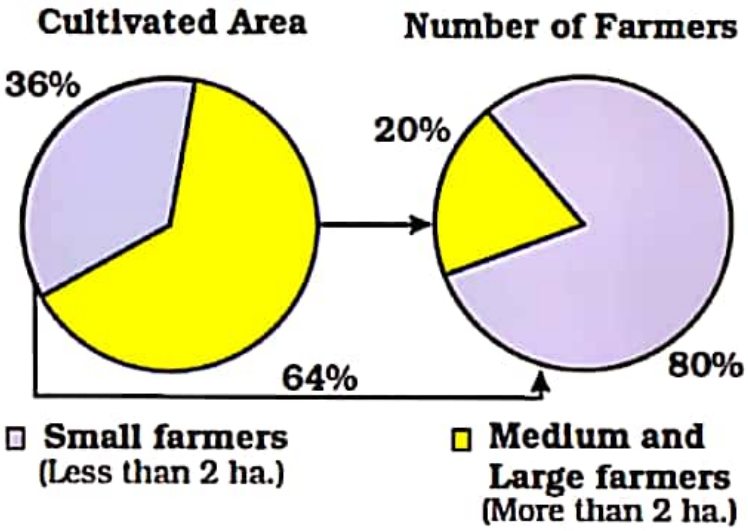

- ज़्यादा
- कठोर परिश्रम और हाथ से किया गया निवेश
- खेती के लिए ट्रैक्टर
- फसल काटने के लिए फसलकी मशीन
- थ्रेसिंगके लिए थ्रेसर
- मजदूरी – नकद / तरह / भोजन
- भूमिहीन खेत मजदूरकी समस्या – रोज़गार (दैनिक / मौसमी)

भौतिक पूंजी

- छोटे किसान - बड़े किसानों / धन उधारदाताओं / व्यापारियों से पैसे उधार लेना – वयाजका ज्यादा दर – कुल किसानों का 80%
- मध्यम और बड़े किसान – वे बचत करते है
- अधिशेष उपज बेचें – या तो ऋण चुकाना या बचत जोड़ना (कृषि / ढोर / गैर-कृषि गतिविधि के लिए साम्रगी खरीदना - ↑ स्थायी पूंजी)

गैर-कृषि गतिविधि – गांवों में केवल 24%

- दूध की दुकान – भैंसको घास, जुवार, या बाजरे से भोजन करवाए

Scanned with CamScanner

- छोटे पैमाने पर विनिर्माण – सरल उपकरण – घर पर, परिवारका श्रम, शायद ही कभी मजदूरों को किराए पर लेना|
- व्यापार – दुकानदार
- परिवहन सेवाएं

kv no.4 DLW varanasi

Scanned with CamScanner